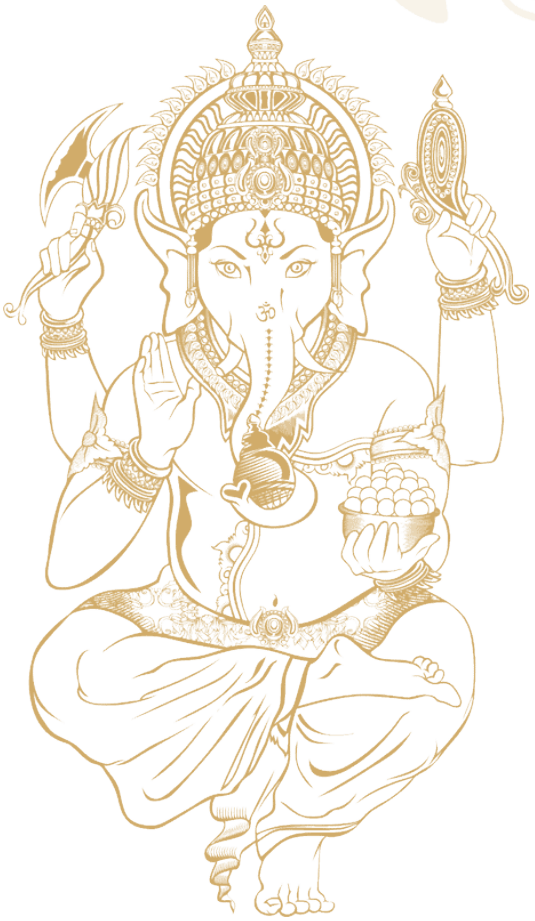

Pankaj Rabiya

09 Jan 2026

06:37 AM

Churu

Model: web-freekundliweb

Order No: 120961403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**8-09/01/2026**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**06:37:00 घंटे**
इष्ट	58:03:40 घटी
स्थान	**Churu**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:18:00 उत्तर
रेखांश	75:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:07:00 घंटे
वेलान्तर	-00:06:36 घंटे
साम्पातिक काल	13:21:22 घंटे
सूर्योदय	07:23:31 घंटे
सूर्यास्त	17:50:06 घंटे
दिनमान	10:26:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	24:32:41 धनु
लग्न के अंश	12:09:17 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शोभन
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पा-पवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

पं. मनोज शास्त्री
घंटेल चूरू
8696109119
manojghantel@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:09:17	342:12:15	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			धनु	24:32:41	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	06:18:54	12:34:33	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	24:39:13	00:46:18	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	16:53:59	01:34:32	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	26:03:48	00:08:06	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	25:06:28	01:15:29	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि			मीन	02:27:46	00:04:13	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	16:04:57	00:01:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	16:04:57	00:01:19	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:31:42	00:01:19	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:24:08	00:01:00	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:44:36	00:01:52	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	27:46:57	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न-चलित

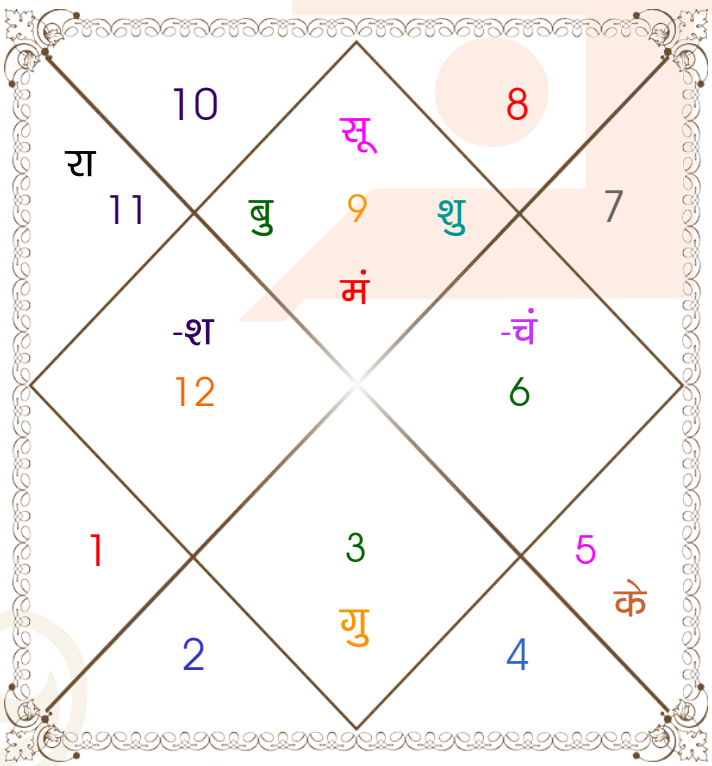

चन्द्र कुंडली

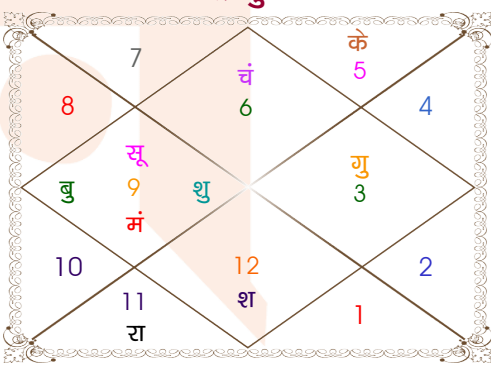

नवमांश कुंडली

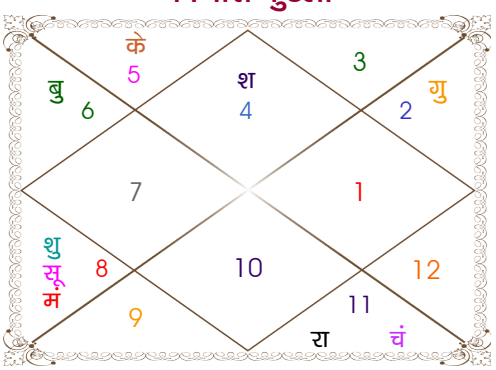

पं. मनोज शास्त्री
घंटेल चूरू
8696109119
manojghantel@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 7 मास 27 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
09/01/2026		06/09/2027		06/09/2037		06/09/2044		06/09/2062	
06/09/2027		06/09/2037		06/09/2044		06/09/2062		06/09/2078	
	00/00/0000	चंद्र	07/07/2028	मंगल	02/02/2038	राहु	20/05/2047	गुरु	24/10/2064
	00/00/0000	मंगल	05/02/2029	राहु	21/02/2039	गुरु	12/10/2049	शनि	08/05/2067
	00/00/0000	राहु	07/08/2030	गुरु	28/01/2040	शनि	18/08/2052	बुध	13/08/2069
	00/00/0000	गुरु	07/12/2031	शनि	07/03/2041	बुध	08/03/2055	केतु	19/07/2070
	00/00/0000	शनि	07/07/2033	बुध	05/03/2042	केतु	25/03/2056	शुक्र	19/03/2073
	09/01/2026	बुध	07/12/2034	केतु	01/08/2042	शुक्र	26/03/2059	सूर्य	06/01/2074
बुध	01/05/2026	केतु	08/07/2035	शुक्र	01/10/2043	सूर्य	18/02/2060	चंद्र	08/05/2075
केतु	06/09/2026	शुक्र	07/03/2037	सूर्य	06/02/2044	चंद्र	19/08/2061	मंगल	13/04/2076
शुक्र	06/09/2027	सूर्य	06/09/2037	चंद्र	06/09/2044	मंगल	06/09/2062	राहु	06/09/2078

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/09/2078		06/09/2097		07/09/2114		07/09/2121		07/09/2141	
06/09/2097		07/09/2114		07/09/2121		07/09/2141		00/00/0000	
शनि	09/09/2081	बुध	03/02/2100	केतु	03/02/2115	शुक्र	06/01/2125	सूर्य	26/12/2141
बुध	19/05/2084	केतु	31/01/2101	शुक्र	04/04/2116	सूर्य	07/01/2126	चंद्र	26/06/2142
केतु	28/06/2085	शुक्र	02/12/2103	सूर्य	10/08/2116	चंद्र	07/09/2127	मंगल	01/11/2142
शुक्र	28/08/2088	सूर्य	07/10/2104	चंद्र	11/03/2117	मंगल	07/11/2128	राहु	26/09/2143
सूर्य	10/08/2089	चंद्र	09/03/2106	मंगल	08/08/2117	राहु	07/11/2131	गुरु	14/07/2144
चंद्र	11/03/2091	मंगल	06/03/2107	राहु	26/08/2118	गुरु	08/07/2134	शनि	26/06/2145
मंगल	19/04/2092	राहु	22/09/2109	गुरु	02/08/2119	शनि	07/09/2137	बुध	10/01/2146
राहु	24/02/2095	गुरु	29/12/2111	शनि	10/09/2120	बुध	08/07/2140		00/00/0000
गुरु	06/09/2097	शनि	07/09/2114	बुध	07/09/2121	केतु	07/09/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 8 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

पं. मनोज शास्त्री
घंटेल चूरू
8696109119
manojghantel@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

पं. मनोज शास्त्री
घंटेल चूरू
8696109119
manojghantel@gmail.com

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

पं. मनोज शास्त्री
घंटेल चूरू
8696109119
manojghantel@gmail.com